सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-147
24/03/2018

सम्राट अशोक की हैसियत मुल्क के बाहर भी दुनिया के शीर्ष शासक के रूप में है :– मुख्यमंत्री

पटना, 24 मार्च 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज सम्राट अशोक कन्वेंशन केन्द्र के बापू सभागार में सम्राट अशोक के जन्मोत्सव कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर औपचारिक उद्घाटन किया। समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले सम्राट अशोक क्लब को इस आयोजन के लिये मैं बधाई देता हूँ। इस कार्यक्रम में मुझे आमंत्रित किया, इसके लिये धन्यवाद देता हूँ। क्लब की तरफ से ही इस जयंती को मनाने का सुझाव आया था जो मुझे भी उचित लगा और चैत्र मास द्वितीय पक्ष अष्टमी को अशोक के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। 2016 से इस जयंती दिवस पर हमारी सरकार ने सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट अशोक को पूरा देश मानता है। तिरंगा झंडा में अशोक चक्र को अपनाया गया है और राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अशोक स्तम्भ को।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट अशोक कन्वेंशन केन्द्र में बापू सभागार है, ज्ञान भवन है और सभ्यता द्वार बनाया जा रहा है। इसके सामने में सम्राट अशोक की सांकेतिक मूर्ति भी लगायी जायेगी। ज्ञान भवन का उद्घाटन 10 अप्रैल 2017 को गॉधी जी के विचारों पर राष्ट्रीय विमर्श कार्यक्रम के द्वारा किया गया था। पॉच हजार की क्षमता वाले बापू सभागार का शुभारंभ 2 अक्टूबर 2017 को बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ चलाये जाने वाले कार्यक्रम से की गयी थी। सम्राट अशोक की कहानी चंड अशोक से धम्म अशोक तक की है। सत्ता प्राप्त कर उन्होंने सम्राट के रूप में सफल संचालन किया, मगध साम्राज्य का विस्तार किया लेकिन कलिंग विजय के उपरांत किये खून खराबे से वे धम्म के मार्ग की तरफ झुके। उनका इतिहास विलक्षण है। सब कुछ हाथ में आने के बावजूद कैसे शांति की स्थापना हो, इस नीति पर आगे बढ़े। आज की नई पीढ़ी को इससे सीखने की जरूरत है। सम्राट अशोक की हैसियत मुल्क के बाहर भी दुनिया के शीर्ष शासक के रूप में है। इन पर कितना शोध किया गया, कितना कुछ लिखा गया, शिलालेख पर अध्ययन किया गया, बौद्ध विहार पर अध्ययन किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपने गौरवशाली इतिहास के प्रति सर्तक हैं। हम अपनी यात्रा के क्रम में भी क्षेत्र में इन चीजों पर नजर रखते हैं। हाल ही में लखीसराय के कृमिला में आर्किलॉजिकल साइट की खुदाई शुरू हुयी है। नालंदा विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित किया जा रहा है। कभी यह विश्वविद्यालय दो सौ गॉवों से जुड़े थे। दस हजार विद्यार्थी, हजार शिक्षक यहॉ रहते थे। मैंने इसके पुनर्जीवित करने के लिये विशेषज्ञ लोगों को एक सुझाव दिया कि इसके अगल–बगल के दो सौ गॉव का यह यूनिवर्सिटी ख्याल रखे। उन सब गॉवों को चिह्नित किया गया है। दूसरा सुझाव एक कनफ्लिक्ट रिजॉल्यूशन सेंटर बनाने का दिया। आज कल देश–विदेश में हर जगह तनाव चल रहा है। सम्प्रदाय, जाति, इलाके के नाम पर

विवाद हो रहा है। लोग यहॉ पर आकर अपने विवाद को सुलझा सकें। बगल में स्टेट हाउस बनाने के लिये जमीन आइडेंटिफाई कर लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जयंती को प्रतीक के रूप पर नहीं मनाना चाहिये बल्कि बातों की गहराई में जाने की जरूरत है। नालंदा ट्रेडिशन बुद्धिज्म के बारे में परम पावन दलाईलामा से मैंने पूछा था। उसके सार में उन्होंने यही बताया कि बुद्ध ने कहा था कि मैं जो कुछ कहता हूँ, उसको आस्था के रूप में सिर्फ नहीं मानें बल्कि सोच कर, चिंतन कर सही लगे तो उसे स्वीकार करें। चाणक्य के नाम पर यहॉ चाणक्य विधि विश्वविद्यालय बनाया गया है क्योंकि चाणक्य ने अर्थशास्त्र में राज–काज संचालन के तरीकों को बेहतर ढ़ंग से बताया है। चन्द्रगुप्त के नाम पर चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान बनाया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्ता अर्जित कर लोग आज कल दूसरे कामों में लग जाते हैं। सम्राट अशोक ने काम किया और लोगों को बताया कि सत्ता हासिल करना मूल चीज नहीं है बल्कि प्रेम, सद्भावना और शांति बनाये रखना जरूरी है। हम उसी का अनुकरण करते हुये आगे बढ़ रहे हैं। न्याय के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं, समाज के हर तबके का विकास, हर इलाके के विकास के लिये काम कर रहे हैं। समाज में सौहार्द्र के वातावरण को बिगाड़ने की कोशिश की जाती है, इससे सचेत रहने की जरूरत है। रामनवमी के पर्व को सौहार्द्र के वातावरण को बनाये रखने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को अपनाकर अपने बेटे–बेटी को प्रचार के लिये श्रीलंका भेजा। अशोक के जीवन से हमें प्रेरणा मिलती है। त्याग की भावना इनका मूल विचार है, जो आज भी प्रासंगिक हैं। सम्राट अशोक जो देवानाम प्रिय अशोक, धम्म अशोक के भी नाम से जाने जाते हैं। उनकी प्रेम, सद्भावना और शांति बातों को अपनाना चाहिये, तभी समाज आगे बढ़ेगा और लोगों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। आप सबों को शराबबंदी, दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये कोशिश करनी चाहिये ताकि समाज को गति मिल सके। प्रकृति और पर्यावरण से छेड़छाड़ से बचने की जरूरत है। हम सबों का दायित्व एवं धर्म है कि प्रकृति से जो चीजें हमें मिली है, उसे सुरक्षित रखकर आने वाली पीढ़ी को सौंप सके। भगवान बुद्ध का संदेश अपनाकर सम्राट अशोक ने इसे प्रचारित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जयंती सांकेतिक चीज नहीं है, इसके मायने हैं। राजनीति में सिद्धांत होना चाहिये। गॉधी जी ने कहा कि सिद्धांत के बिना राजनीति का कोई मतलब नहीं। आज के समाज में जन सेवा को अपनाना चाहिये। हम अपने वोटर की चिंता करते हैं और अभी वोटर नहीं बने हैं, उनकी भी चिंता करते हैं। मैं सम्राट अशोक क्लब के लोगों को शुभकामना देता हूँ। आप आगे बढ़िये और हमसे जिस तरह से भी नैतिक सहयोग की जरूरत होगी, वह सहयोग प्राप्त होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सम्राट अशोक के चित्र पर पुष्प अर्पित किया। मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं विभिन्न राज्यों से आये प्रतिनिधियों ने प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री दयानंद मौर्य, सम्राट अशोक क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दीनानाथ मौर्य, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री सच्चिदानंद मौर्य, मंच संचालक कुमार प्रवीण, सांसद श्री संतोष कुशवाहा, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री श्याम रजक, श्री सत्यनारायण मौर्य, प्रो0 मनोज कुशवाहा, श्री तुलसी मौर्य, पूज्यवंत धम्म शरण, थाईलैंड की श्रीमती पूनयोवी पूथ्डीसून सोरी, डॉ0 अफात हाशमी, श्रीमती मेरी एडलिन सहित सम्राट अशोक क्लब के सदस्यगण एवं विभिन्न राज्यों से आये सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

*****